संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -268 सोमवार,29 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का उन्नतीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का उन्नतीसवां दिन

?

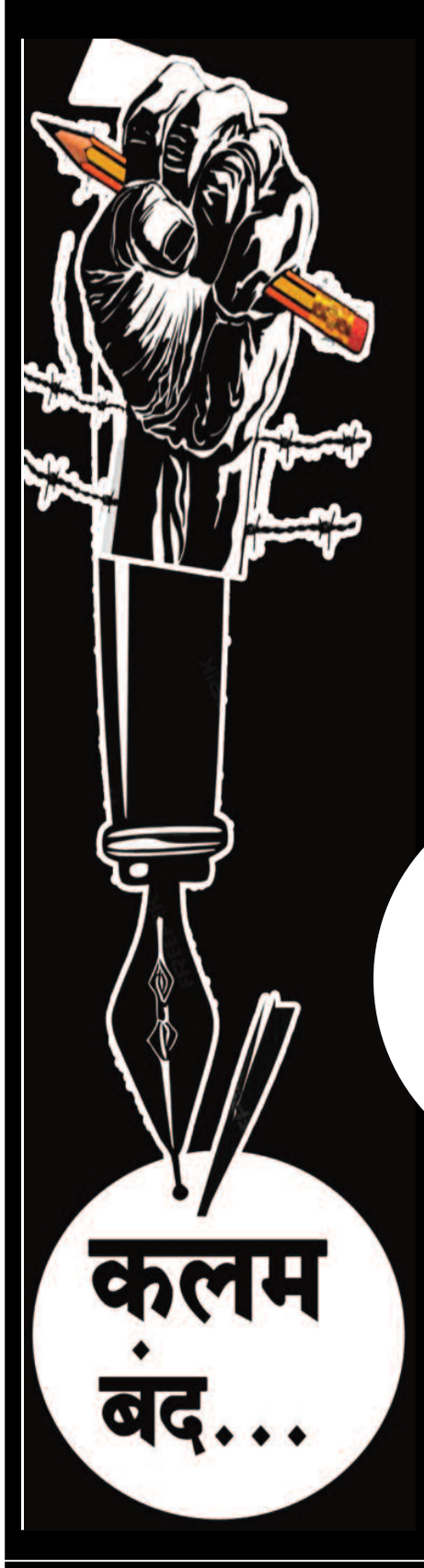

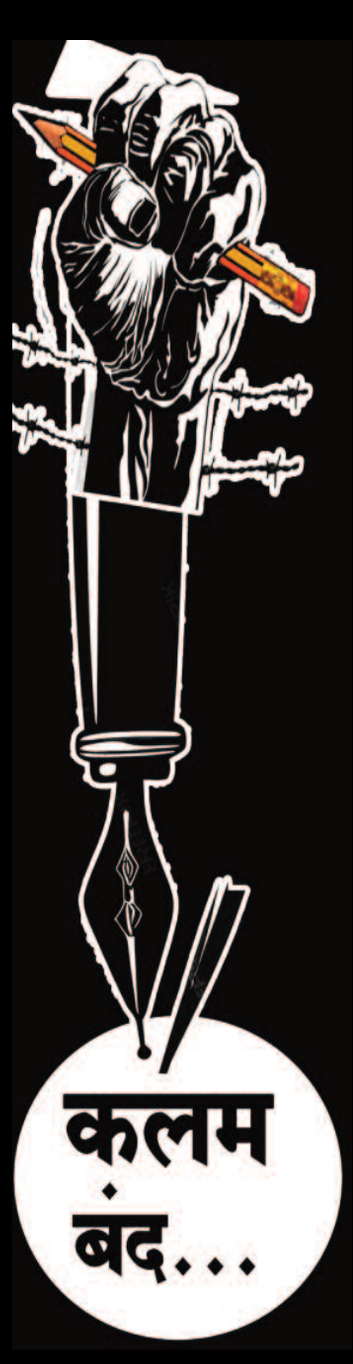

कलम बंद...का उन्नतीसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 28 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

कलम बंद...का उन्नतीसवां दिन

?

कलम बंद...का उन्नतीसवां दिन

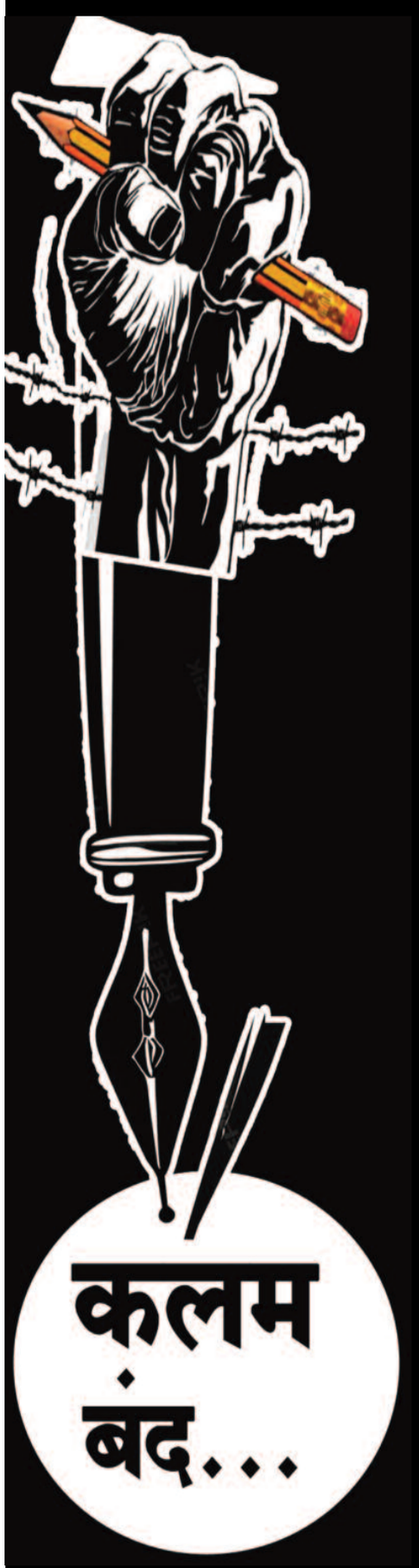

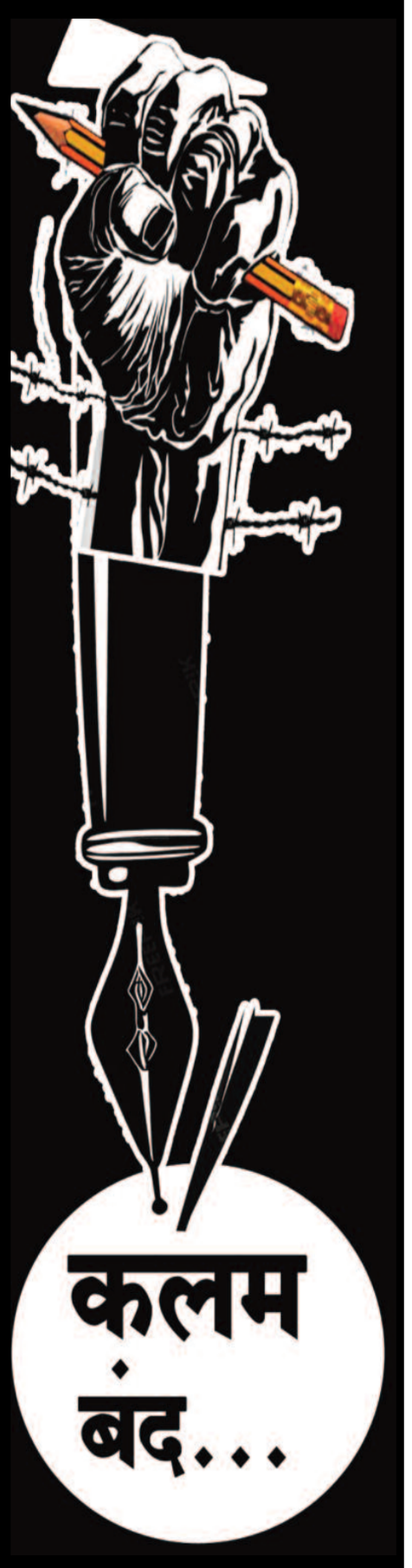

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,28 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

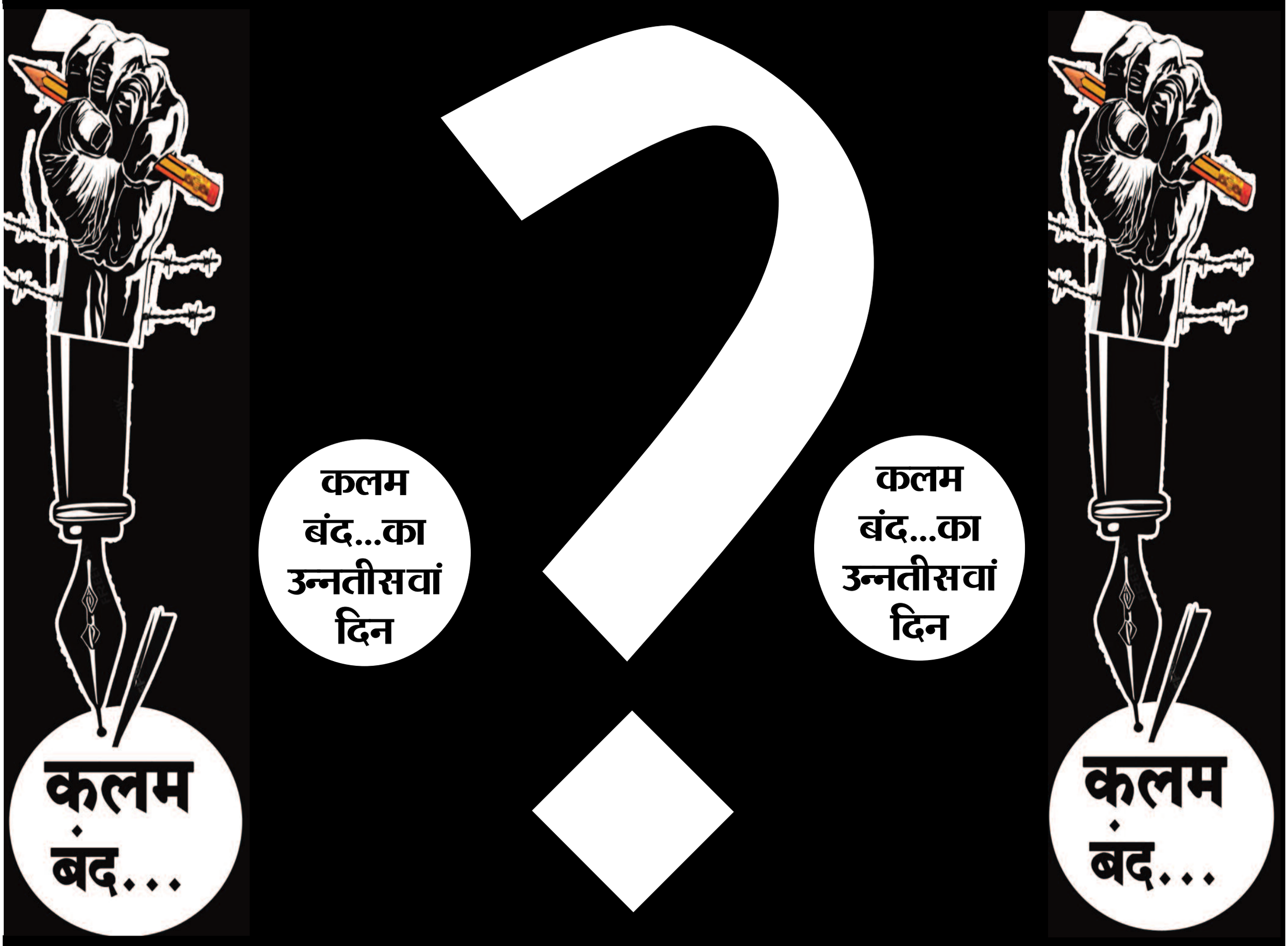

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,28 जुलाई 2024(घटती-घटना) | भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

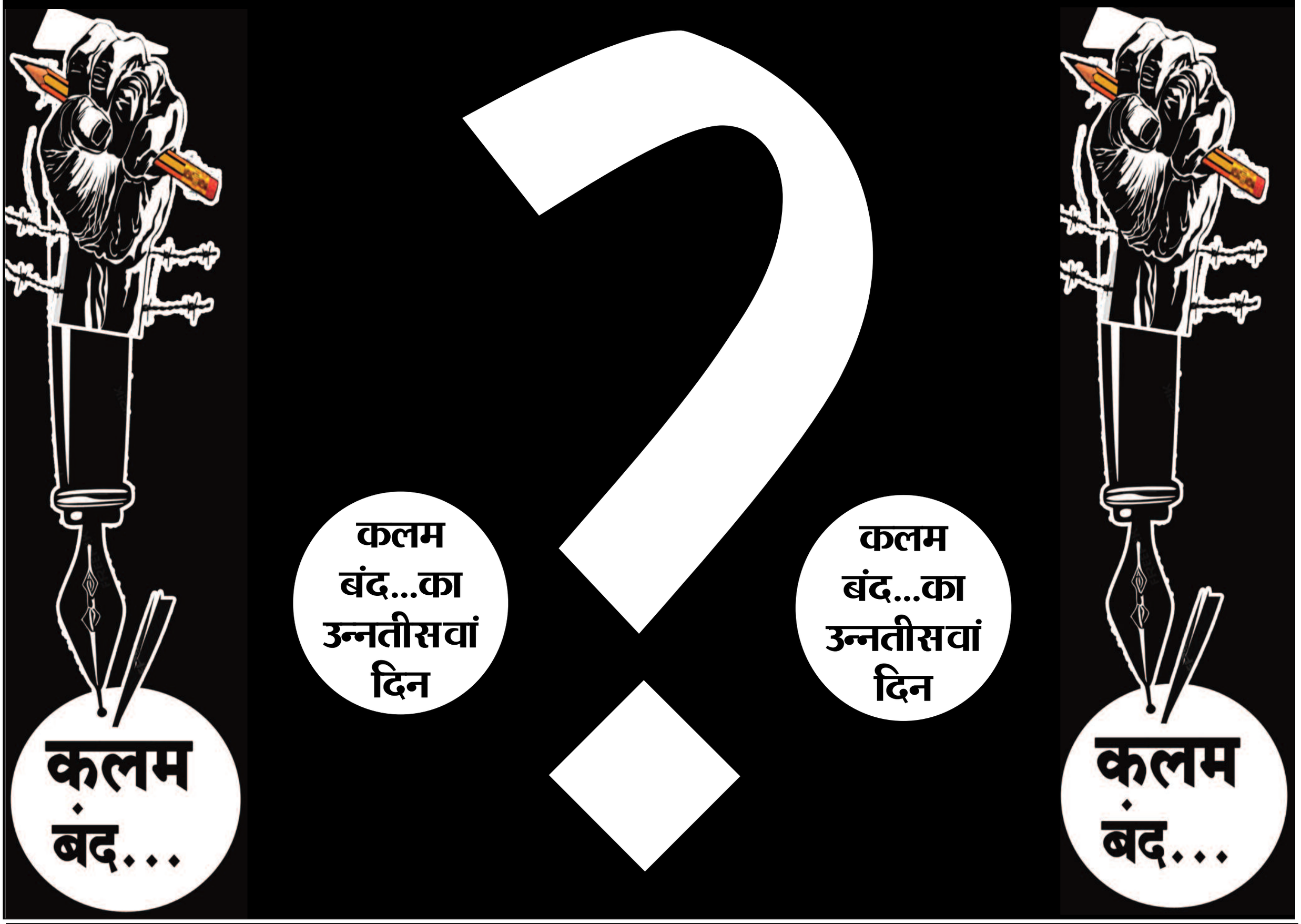

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

- भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
- कमी दिखाओ तो दिक्कत...
- जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 28 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

?

कलम बंद...का उन्नतीसवां दिन

कलम बंद...का उन्नतीसवां दिन

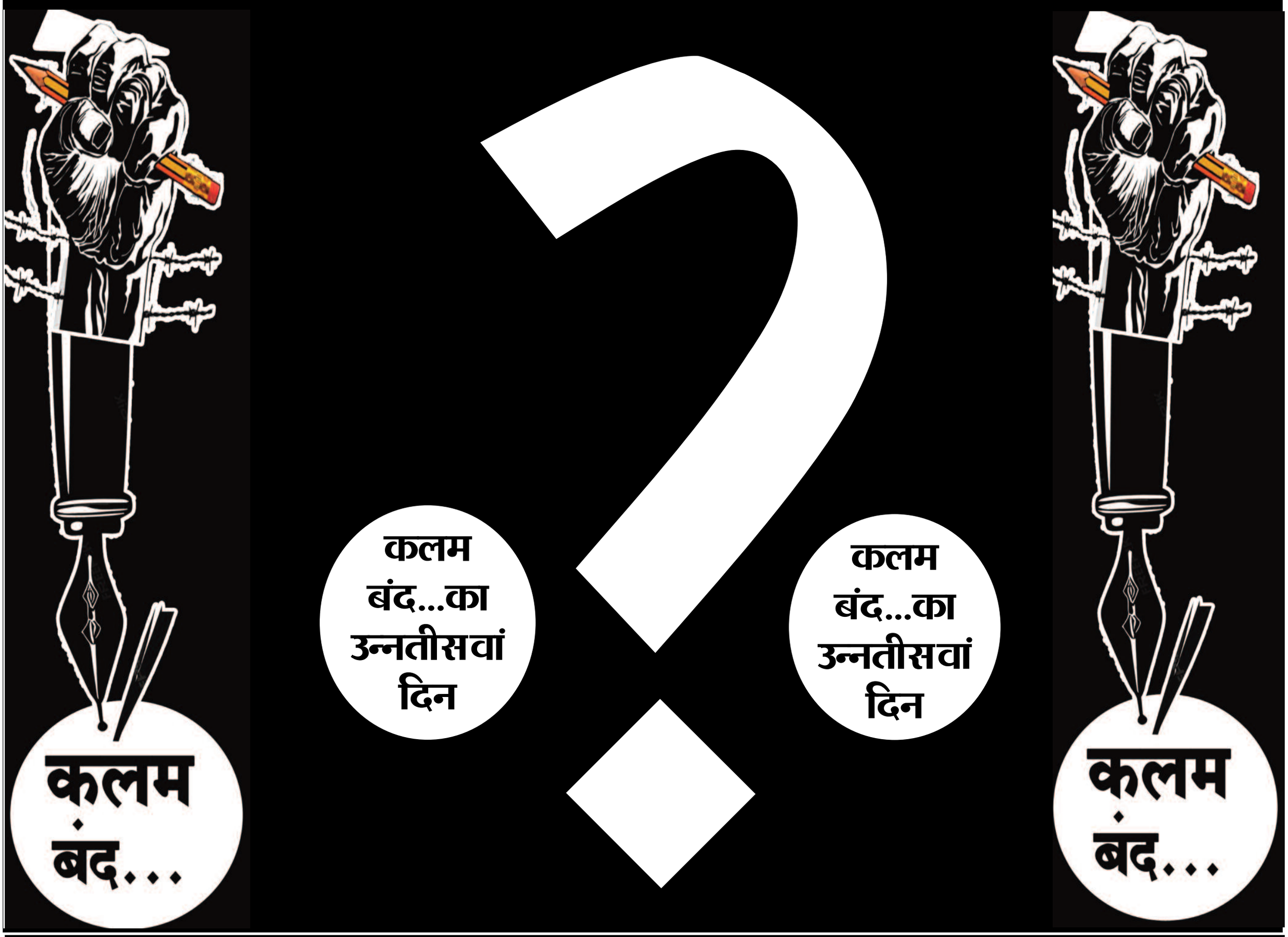

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रैस्टो पहले मैच में हारी

पेरिस,28 जुलाई 2024। अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रैस्टो की भारतीय जोड़ी को ओलंपिक खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता के महिला युगल के ग्रुप सी के मुकाबले में

दक्षिण कोरिया की किम सो यियोंग और कोंग ही योंग से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल अच्छा प्रदर्शन करके ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय जोड़ी शनिवार को 44 मिनट तक चले मैच में 18-21 10-21 से हार गई। पोनप्पा और क्रैस्टो ने अच्छी शुरुआत की थी। उन्होंने पहले गेम में कोरिया की जोड़ी को कड़ी चुनौती दी लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाई। भारतीय जोड़ी का अगला मुकाबला सोमवार को जापान की चौथी वरीयता प्राप्त चिहारू शिदा और नामी मात्सुयामा से होगा।

श्रीलंकाई महिला टीम ने भारत से छीना चैंपियन का ताज

» श्रीलंका महिला टीम पहली बार बनी एशिया की चैंपियन

कोलंबो ,28 जुलाई 2024।
श्रीलंकाई महिला टीम ने अपने घर में खेले गए महिला एशिया कप 2024 टूर्नामेंट में इतिहास रच दिया है। फाइनल मुकाबला रविवार को दांबुला में खेला गया। जिसमें श्रीलंका ने भारतीय महिला टीम को 8 विकेट से हराकर पहली बार खिताब जीत लिया है।

भारत विमेंस एशिया कप की सबसे सफल टीम है। अब तक महिला एशिया कप के 9 सीजन हो चुके हैं, जिससे से भारतीय टीम 7 बार चैंपियन रही है। पिछली बार 2022 में विमेंस एशिया कप खेला गया था। तब भारत ने फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी।

दूसरी बार भारत ने गंवाया खिताब

महिला एशिया कप के पिछले 8 सीजन में से एक ही बार बांग्लादेश ने 2018 सीजन अपने नाम किया था। 7 बार भारत जीता था। लेकिन ये 9वां सीजन श्रीलंकाई टीम ने जीतकर इतिहास रच दिया है। दूसरी ओर पाकिस्तान टीम अब तक कोई भी महिला एशिया कप खिताब नहीं जीत सकी।

इस हार के साथ ही भारतीय टीम ने दूसरी बार महिला एशिया कप का फाइनल मैच गंवाया है। भारतीय टीम सभी 9 सीजन के फाइनल में पहुंची है। जहां 2018 में बांग्लादेश और अब श्रीलंका ने हराया है। दूसरी ओर श्रीलंकाई महिला ने इससे पहले 5 बार खिताबी मुकाबला गंवाया था। लेकिन अब छठी बार में खिताब अपने नाम कर लिया है।

ऋषभ पंत ने तोड़ा दिनेश कार्तिक का 6 साल पुराना रिकॉर्ड

कोलंबो,28 जुलाई 2024।
श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अच्छी पारी खेली और 33 गेंदों पर एक छक्का और 6 चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेली। इस मैच में वह सिर्फ एक रन से अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए, लेकिन उन्होंने दिनेश कार्तिक का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया तो वहीं विराट कोहली, एमएस धोनी और ऋतुराज गायकवाड़ की इस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ 49 रन की पारी खेली और अब वो श्रीलंका में टी20 में बतौर विकेटकीपर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड दिनेश कार्तिक के नाम पर दर्ज था जिन्होंने साल 2018 में बतौर विकेटकीपर भारत के लिए नाबाद 39 रन की पारी खेली थी। अब 6 साल के बाद पंत ने 49 रन की पारी खेलकर दिनेश कार्तिक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

पंत ने पहली बार टी20 में 49 रन की पारी खेली और आउट हो गए। टी20 में 49 रन के स्कोर पर आउट होने वाले वो चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए। पंत से पहले भारत की तरफ से टी20 में 49 के स्कोर पर विराट कोहली, एमएस धोनी और ऋतुराज गायकवाड़ आउट हो चुके हैं। अब पंत भी इन दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं।

मनु भाकर ने रचा इतिहास

» शूटिंग में मेडल जीतने वाली बनीं पहली भारतीय महिला
» ब्रॉन्ज पर लगाया निशाना

पेरिस,28 जुलाई 2024। मनु भाकर पेरिस ओलंपिक्स 2024 में भारत के लिए पहला मेडल जीतने वाली एथलीट बन गई हैं। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत का मान बढ़ाया है. मनु, एलिमिनेट होने से पहले दक्षिण कोरिया की किम येजी से केवल 0.1 अंक पीछे थीं, जिन्होंने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। 22 वर्षीय मनु भाकर का यह ओलंपिक्स में पहला मेडल है. इस स्पर्धा में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने वाली दोनों एथलीट दक्षिण कोरिया से रहीं।

मनु, ओलंपिक की शूटिंग स्पर्धा में मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला एथलीट हैं। उनसे पहले ओलंपिक में भारत के लिए पदक

जीतने वाले चारों शूटर पुरुष थे, जिनके नाम राज्यवर्धन सिंह राठौड़,अभिनव बिंद्रा,विजय कुमार और गगन नारंग रहे. मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में 580 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही थीं। इसी के साथ उन्होंने शूटिंग में भारत के 12 साल से चले आ रहे पदक के सूखे को भी समाप्त कर दिया है। इससे पूर्व भारत ने 2012 लंदन ओलंपिक्स में शूटिंग में मेडल जीता था, जहां गगन नारंग और विजय कुमार ने पदक जीता था।

2020 टोक्यो ओलंपिक्स में मनु भाकर की पिस्टल में तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके कारण वे पदक जीतने से वंचित रह गई थीं. इस बार उन्होंने फाइनल में 221.7 का स्कोर करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना साधा है. मनु ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला शूटर हैं, लेकिन उनसे पूर्व सुमा शिरुर ऐसी पहली महिला एथलीट बनी थीं, जो शूटिंग स्पर्धा के फाइनल में पहुंची थीं. सुमा ने ग्रीस में हुए 2004 ओलंपिक्स की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल तक का सफर तय किया था. ओलंपिक खेलों के इतिहास में भारत का यह शूटिंग में कुल 5वां पदक है.

इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को 10 विकेट से दी मात

» सीरीज में 3-0 से किया क्लीन स्वीप

बर्मिंघम,28 जुलाई 2024।
इंग्लैंड की टीम ने बेन स्टोक्स की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ घर पर खेली जा रही 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले को 10 विकेट से अपने नाम किया। एजबेस्टन के मैदान पर खेले गए इस सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच की चौथी पारी में इंग्लैंड को सिर्फ 82 रनों का टारगेट मिला था जिसे उन्होंने बिना कोई गंवाए हासिल किया जिसमें स्टोक्स जो इस पारी में ओपनिंग में उतरे उनके बल्ले से सिर्फ 28 गेंदों में नाबाद 57 रनों की पारी देखने को मिली। इंग्लैंड ने इसी के साथ इस सीरीज में क्लीन स्वीप करने में भी कामयाबी हासिल की।

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को सिर्फ 175 रनों पर समेटा

इस मुकाबले में इंग्लैंड की पहली पारी 376 के स्कोर पर सिमटी थी जिससे वह वेस्टइंडीज टीम की पहली पारी के स्कोर के मुकाबले 94 रनों की बड़ी बढ़त भी हासिल करने में भी कामयाब रहे। इसके बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज टीम की दूसरी पारी को सिर्फ 175 रनों के स्कोर पर समेट दिया, जिसमें मार्क वुड ने सबसे ज्यादा 5 विकेट हासिल किए। इसके अलावा इंग्लैंड की तरफ से गेंदबाजी में गस एटिंकसन ने 2 जबकि क्रिस वोक्स, शोएब बशीर और बेन स्टोक्स भी 1-1 विकेट अपने नाम करने में कामयाब रहे।

इंग्लैंड के लिए गस एटिंकसन ने हासिल किए सबसे ज्यादा विकेट

इस 3 मैच की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी खोज तेज गेंदबाज गस एटिंकसन रहे जिसमें उन्होंने 3 मैचों में खेलते हुए 22 विकेट अपने नाम किए। एटिंकसन का इस दौरान गेंदबाजी औसत सिर्फ 16.22 का रहा था। वहीं इस 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा 291 रन जो रूट के बल्ले से देखने को मिले, जिसमें इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ओली पोप का नाम है जो 4 पारियों में 239 रन बनाने में कामयाब रहे।

भारत ने श्रीलंका को दूसरे टी 20 में 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली, 28 जुलाई 2024।
भारत ने दूसरे टी20 में श्रीलंका को हरा दिया है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम इंडिया ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। भारत के सामने डकवर्थ लुईश नियम के तहत 8 ओवर में 78 रनों का लक्ष्य था। भारतीय टीम ने 6.3 ओवर में 3 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह टीम इंडिया ने सीरीज जीत ली है।

भारत के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 12 गेंदों पर 26 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली. उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और 1 छक्का लगाया. वहीं, टीम इंडिया के ओपनर यशस्वी जयसवाल ने 15 गेंदों पर 30 रनों का योगदान दिया। श्रीलंका के लिए महीशा पथिराना, वानेंदू हसारंगा और मथीशा तीक्षणा ने 1-1 विकेट झटके।

इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रनों का स्कोर बनाया। इस तरह टीम इंडिया के पास 162 रनों का लक्ष्य था, लेकिन बारिश के कारण लक्ष्य को संशोधित किया गया. इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 8 ओवर में 78 रनों का लक्ष्य मिला।

जब बारिश के बाद खेल शुरू हुआ तो भारत को 8 ओवर में 78 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला. यशस्वी जयसवाल और सूर्यकुमार यादव ने आसानी से रन बनाए. भारतीय टीम को दूसरा झटका 51 रनों के स्कोर पर लगा, जब सूर्यकुमार यादव मशीथा पथिराना की गेंद पर पवैलियन लौटे, लेकिन तब तक टीम इंडिया की जीत तकरीबन सुनिश्चित हो चुकी थी। इसके बाद भारतीय टीम को तीसरा झटका यशस्वी जयसवाल के रूप में लगा. यशस्वी जयसवाल 15 गेंदों पर 30 रन बनाकर वानेंदू हसारंगा की गेंद पर आउट हुए। जब यशस्वी जयसवाल आउट हुए तो उस वक्त भारतीय टीम का स्कोर 65 रन था, सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को जीत के लिए महज 13 रनों की दरकार थी. फिर हार्दिक पांड्या ने 9 गेंदों पर 22 रन बनाकर गेम को फिनिश किया।

भारत की हॉकी टीम ने ओलंपिक में न्यूजीलैंड को बुरी तरह हराया

पेरिस,28 जुलाई 2024।
पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार शुरुआत की। बेहद प्रतिस्पर्धी और रोमांचक रहे इस मैच ने अंत तक सभी भारतीय फैंस की धड़कनें बढ़ाए रखीं. ओलंपिक 2024 के हॉकी इवेंट में भारत का पहला मैच न्यूजीलैंड से था। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी ताकत का एहसास कराया। यह मैच कभी भारत के पक्ष में जा रहा था तो कभी न्यूजीलैंड के पक्ष में, लेकिन चौथे क्वार्टर के आखिरी मिनटों में भारत गोल करके मैच 3-2 से जीतने में सफल रहा।

पहले क्वार्टर में हावी रहा न्यूजीलैंड

शुरुआती मिनटों में न्यूजीलैंड का दबदबा रहा. पेनल्टी कॉर्नर की मदद से सैम लेन ने 8वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। इसके बाद न्यूजीलैंड ने लगातार प्रयास किए, लेकिन भारतीय डिफेंस ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया।

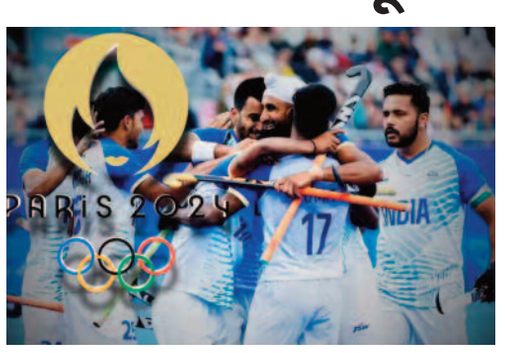

दूसरे क्वार्टर में भारत की वापसी

दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी रणनीति बदली और तेजी से खेला. नतीजतन, 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर भारत को गोल मिल गया। हालांकि, न्यूजीलैंड ने रेफरी से रिव्यू मांगा,लेकिन वे असफल रहे। जिसके बाद हाफ टाइम तक भारत न्यूजीलैंड से 1-1 की बराबरी करने में सफल रहा।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने बनाई बढ़त

हाफ टाइम के तुरंत बाद 34वें मिनट में मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद ने करीब से गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में न्यूजीलैंड को पांच पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन श्रीजेश दीवार की तरह खड़े रहे और न्यूजीलैंड के पांचों पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील नहीं होने दिया।

हेमा मालिनी इस वजह से नहीं करना चाहती थीं बागबान

मां की यह बात सुनकर मानी थीं एक्ट्रेस

बागबान को हेमा मालिनी के करियर की अहम फिल्मों से एक माना जाता है। फिल्म में उन्होंने चार बेटों की मां और अमिताभ बच्चन की पत्नी का किरदार निभाया था। दर्शकों ने भी हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन की जोड़ी को खूब पसंद किया था। लेकिन हेमा मालिनी ने इस फिल्म को लगभग रिजेक्ट ही कर दिया था। इस फिल्म में अपने रोल को सुनकर हेमा खुश नहीं थीं। हेमा मालिनी ने एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया, और बताया कि मां ने उन्हें इस फिल्म को करने के लिए मनाया।

हेमा मालिनी ने बताया कि उन्होंने मां के आग्रह पर बागबान की थी, नहीं तो लगभग रिजेक्ट ही कर दी थी। वह बोलीं, बागबान के मुहूर्त से पहले, बीआर चोपड़ा ने मुझसे मुलाकात की और कहा कि वह चाहते हैं कि मैं उस भूमिका को पूरी तरह से निभाऊं, जैसा वह चाहते थे। उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और मुझे लगता है कि यह उनका आशीर्वाद था, जिसके कारण फिल्म ने अच्छा परफॉर्म किया। आज तक लोग उस फिल्म के बारे में बात करते हैं।हेमा मालिनी ने आगे बताया, मुझे याद है जब मैं रवि चोपड़ा से कहानी सुन रही थी तो मेरी मां मेरे साथ बैठी थीं। उनके जाने के बाद मैंने कहा, चार इतने बड़े लड़कों की मां का रोल करने को तो बोल रहा है। मैं यह सब कैसे कर सकती हूं? मेरी मां ने कहा कि नहीं, नहीं। तुम्हें जरूर करनी होगी। कहानी अच्छी है। बागबान की कहानी एक ऐसे कपल की थी, जिनकी शादी को 40 साल हो चुके हैं। ट्विस्ट तब आता है, जब अमिताभ बच्चन का किरदार फिल्म में रिटायर हो जाता है और वह अपने चारों बेटों को बुलाकर पूछता है कि अब उसे और उसकी पत्नी को कौन सहारा देगा। फिल्म में अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी के अलावा अमन वर्मा, समीर सोनी, साहिल चड्ढा और नासिर खान नजर आए। साल 2003 में रिलीज हुई इस फिल्म का बजट 10 करोड़ रुपये था और 41 करोड़ का कलेक्शन किया था।

पूरब कोहली ने इस कारण ठुकरा दिया था शाहरुख खान संग फिल्म का ऑफर, आज तक होता है एक्टर को पछतावा

पूरब कोहली याद हैं? उन्होंने अपने करियर में कई फिल्में कीं, पर आज भी पूरब कोहली को फिल्म रॉक ऑन के ड्रमर केडी के रोल के लिए याद किया जाता है। पूरब कोहली को एक बार शाहरुख खान के साथ फिल्म का ऑफर भी मिला था, पर एक्टर ने ठुकरा दिया। यही नहीं, अपनी एक गलती के कारण उन्होंने कई फिल्मों से हाथ धोया और कुछ बेकार फिल्में भी कर बैठे। पूरब कोहली ने लेटेस्ट इंटरव्यू में इस बारे में बात की। रॉक ऑन के बाद पूरब कोहली का करियर चमक उठा था, और उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिले थे। पर एक्टर ने कई फिल्में रिजेक्ट कर दी थीं। पूरब कोहली को शाहरुख खान की एक फिल्म में साथ काम करने का मौका मिला था, और वह भी उन्होंने रिजेक्ट कर दिया। पूरब कोहली ने इसकी वजह बताते हुए डीएनए इंडिया से कहा, रॉक ऑन के बाद एक फिल्म थी, जिसमें मुझे शाहरुख खान के साथ कास्ट किया जाना था। मेरे पास डेट्स नहीं थीं, मैंने कुछ और कमिट किया था और वह मौका गंवा दिया। मुझे बुरा लगा, मैंने कुछ और साइन कर लिया था, और इसलिए मेरे पास कोई चारा नहीं था। मैं सच में शाहरुख खान के साथ एक फिल्म में काम करना चाहूंगा। मजा आएगा।

पूरब कोहली ने फिर उस गलती के बारे में भी बताया, जिसके कारण उनके हाथ से कई फिल्में निकल गईं। उन्होंने बताया कि रॉक ऑन की सफलता के बाद वह अपने करियर और फिल्मों को आंकने लगे थे। वह बोले, रॉक ऑन के बाद हुआ यूं कि मैंने कुछ फिल्मों में लीड रोल साइन किए और फिर जिस भी प्रोजेक्ट के लिए मुझसे संपर्क किया गया, मैंने उसे आंकना शुरू कर दिया कि क्या यह लीड रोल या फिर केडी जितना दमदार किरदार है। मैंने कई फिल्मों को ना कहा है। लेकिन अगर ऐसा दोबारा होता तो मैं इसे अलग तरीके से संभालता।

कपिल शर्मा शो छोड़ सुमोना चक्रवर्ती अब करना चाहती हैं विलेन के किरदार

बड़े अच्छे लगते हैं कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो का हिस्सा रह चुकीं सुमोना चक्रवर्ती अब खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आ रही हैं। इन्होंने अब एक इंटरव्यू में बताया है कि वह किस तरह के रोल्स करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अब वह हार्डकोर विलेन और इंटेलिजेंस ऑफिस का किरदार निभाना चाहती हैं।सुमोना चक्रवर्ती ने कहा, मैं हार्डकोर एक्शन, थ्रिलर या फिर साइकोलॉजिकल थ्रियर करना चाहती हूं क्योंकि मुझे क्राइम और खून-खराबा देखना पसंद है। अगर मुझे ऐसे रोल्स मिलें तो मैं करना चाहूंगी। मैं एक हार्डकोर विलेन और इंटेलिजेंस ऑफिसर का भी रोल करना चाहती हूं।सुमोना चक्रवर्ती ने कहा, एक्टर्स कभी भी पूरी तरह से संतुष्ट नहीं होते हैं क्योंकि हम ज्यादा और अलग-अलग काम करना चाहते हैं। मैंने तय किया है कि मैं फिक्शन और अलग-अलग तरह के काम की अपनी चाहत को पूरा करना चाहती हूं। ओटीटी पर बहुत अच्छा काम होरहा है। मुझे उम्मीद है कि लोग मेरे साथ काम करेंगे। वह तैयार हैं।सुमोना चक्रवर्ती ने आगे इंटरनेशनल शोज बनने की भी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझ किलिंग ईव में विलनेल और होमलैंड में क्लेयर डेन्स का रोल पसंद है। ये वाकई बहुत अच्छे शोज हैं। मुझे किरण राव की मूवी लापता लेडीज और कोंकणा सेन शर्मा की लस्ट स्टोरीज 2 भी बहुत पसंद आई थी। ये सब उस तरह के काम हैं, जो मैं करना चाहूंगी।

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)